



## **BUSH BEANS PACKAGE OF PRACTICES**

Congratulations! You have chosen one of the finest Bush Beans seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Bush Beans seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Bush Beans seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions

| before making any dec | risions.                             |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
|-----------------------|--------------------------------------|------------------|-------------|---------------|--|---|---|--|--|---|---|---|--|--|--|--|
| Bush Beans Hybrid     | kusuma, Lalita                       |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| Duration              | 100-110 days                         |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| Kharif                | Yes                                  |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| Rabi                  | Yes                                  |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| Spring                | Yes                                  |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| Source of Irrigation  | canal/ Borewell                      |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
|                       |                                      | Please n         | ote accordi | ng to weat    | her conditio   | ons crop gr   | owth & ma   | turity may   | be differen  | ıt  |   |   |  |  |  |  |
| S. No.                | Particulars/ opera                   | ations/Prac      | tice        |               | Details of operation. input per acre   |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 1                     | Suitability of the                   | area/Agro-       | climatic zo | ne            | Bush beans can be grown in India year-round, but they perform well under moderate weather, so sowing in monsoon (July-August), winter (October-November), and early summer (February-March) depending on the region. |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 2                     | Land / Soil                          |                  |             |               | Well drained loamy soils with pH range of 5.5-6.0 is required. The optimum temperature is 15-24°C.   |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 3                     | Season. Sowing/                      | olanting tin     | ne          |               | Hills: Febr  | uary -Marc  | h, Plains: C  | October- No  | vember   |   |   |   |  |  |  |  |
| 4                     | Seed rate. Sowing                    |                  |             |               |  |   |   | `  |  | ains are req  |   |   |  |  |  |  |
| 5                     | Preparation of Ma                    | ain field an     | d planting  |               |  |   |   | d incorporation ridges and   |  | form beds   | of convenie   | ent size.   |  |  |  |  |
| 6                     | Spacing                              |                  |             |               | In Hills, sow the seeds (2 seeds/hill) in lines or in beds at a spacing of $30 \times 15$ cm. In plains, sow the seeds (2 seeds/hill) in the sides of the ridges at a spacing of $45 \times 30$ cm.                  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 7                     | Seed treatment be                    | efore sowin      | g           |               | Treat the seeds with Trichoderma 4 g/kg of seed 24 hours before sowing to control fungal diseases.   |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 8                     | Manures and Fert                     | tilizers         |             |               | Apply FYM 25 t/ha at the last ploughing. N at 90 and P at 125 kg/ha should be applied on one side of the ridges  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 9                     | Irrigation schedu                    | le               |             |               | immediate  | ly after sov  | ving, third o   | day and the  | reafter once   | e a week.   |   |   |  |  |  |  |
| 10                    | Weeding/ inter-c                     | ultivation       |             |               | 20 – 25 day  | s and 40 –  | 45 days afte  | er sowing.   | The crop sh  | ould be ear   | thed up aft   | er each weeding.  |  |  |  |  |
| 11                    | Micronutrient/gr                     | owth regul       | ator sprays | 3             |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 12                    | Pest and Disease                     | control          |             |               | 5.56 % w/<br>Whitefly: I<br>Pod borer:<br>liter)<br>Mosaic: Re<br>vector<br>Powdery r<br>Anthracno<br>(1.25 ml pe  | w SC (0.5 midaclopri<br>Emamectin<br>emove the a<br>nildew: Tel<br>se: Remove<br>er liter). | al/liter) d 30.5% SC n Benzoate 5 ffected plan puconazole the affecte | (0.5 ml/litr<br>5% SG (0.5 g<br>nts and spra<br>50% + Trifle<br>d plants and | e)<br>gm/litre) o<br>ny Imidaclo<br>oxystrobin<br>d pods and | or Chlorantr<br>prid 30.5%<br>25% WG (0<br>spray with | raniliprole 1<br>SC (0.5 ml/<br>.5 to 1 gm p<br>Tebuconaz | % + Deltamethrin<br>8.5% w/w (0.5ml,<br>litre) to control th<br>er litre)<br>ole 38.39% w/w S<br>griculture officers. |  |  |  |  |
| 13                    | Harvest                              |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   | to harvest, and   |  |  |  |  |
|                       |                                      |                  |             |               | harvest on   | ce in every   | 2 to 4 days.  | . Avoid har  | vesting wet  | t pods.   |   |   |  |  |  |  |
| 14                    | Expected yield/ a                    | acre             |             |               |  |   |   | 110 days un  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 15                    | Storage                              |                  |             |               | Beans for fresh purposes are highly perishable. Refrigeration after harvest can extend the shelf life  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 16                    | Don't Do                             |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| 17                    | Do's                                 |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   |   |  |  |  |  |
| Note                  | The above inforn Department.         | nation is a $\S$ | general adv | visory. For s | specific reco  | mmendatio   | ns related t  | to particula   | r region, pl   | lease contac  | t your loca   | State Agriculture   |  |  |  |  |
| Precautions           | Crop growth and<br>that only high-qu |                  |             |               |  |   |   |  |  |   |   | or advice. Ensure   |  |  |  |  |





## बुश बीन्स की खेती का तरीका

क्याई हो। आपने किर्टल परिवार की बेहतरीन वृश बीन्स किरमों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च दकें के बुश बीन्स के बीजों के उत्पादन का व्यापक अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल कं बुश बीन्स बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग और पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहत्रशीलता देते हैं।

बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृषया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

| हाइब्रिड बुश बीन्स | कुसुमा, ललिता  |                 |              |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
|--------------------|--|-----------------|--------------|---------------------------------|---|--|--|--|--|---|--|---|--|--|--|--|--|
| अवधि               | 100-110 दिन  |                 |              |                                 |   |  |  |  |  | <del></del>   |  |   |  |  |  |  |  |
| खरीफ               | हाँ  |                 |              |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| रबी                | हाँ  | i               |              |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| वसंत               | हाँ  |                 |              |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| सिंचाई कास्रोत     | नहर/ बोरवेल  |                 |              |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
|                    | -  |                 |              | कृपया                           | ध्यान रखें कि   |  |  |  | द्धे और परिपन्न  | होने का सम  | य अलग-अलग  | ग हो सकता है  |  |  |  |  |  |
| क्रम सं.           | विवरण/ संचालन  | /तरीका          |              |                                 | कार्यप्रणाली व  | <b>ा विवरण।</b> प्र  | ति एकड़ लाग  | ात   |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 1                  | क्षेत्र की उपयुक्तता   |                 |              | र उगाई जा स<br>मार्च) में करर्न |   | मध्यम मौसम   | में इनकी पैदा  | वार अच्छी रह   | हती है, इसलिए क्षेत्रानुसार बुआई मानसून (जुलाई-अगस्त), शीतकाल (अक्टूबर-नवंबर), |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 2                  | भूमि / मिट्टी  |                 |              |                                 | बुश बीन्स के ि  | लेए अच्छी ज  | त्र निकासी वा  | ली दोमट मिट्टी   | (pH 5.5-6.0  | )) उपयुक्त होर्त  | ो है। उपयुक्त त                                  | तापमान 15 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है।   |  |  |  |  |  |
| 3                  | मौसम। बुवाई/रोप  | गई का समय       |              |                                 | पहाड़ी क्षेत्र: फरवरी-मार्च, मैदानी क्षेत्र: अक्टूबर-नवंबर  |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 4                  | बीज दर। बुवाई/रे   | ोपाई का तरीक    | πι           |                                 | बीज की मात्रा: पहाड़ी इलाकों में लगभग 80 किग्रा/हेक्टेयर और मैदानी इलाकों में 50 किग्रा/हेक्टेयर की आवश्यकता होती है।   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 5                  | मुख्य खेत की तैया  | री और रोपाई     |              |                                 | पहाड़ी क्षेत्रों में: खेत की अच्छे से जुताई करें, गोवर खाद (FYM) मिलाएँ और उपयुक्त आकार के बेड बनाएँ।<br>मैदानी क्षेत्रों में: दो बार जुताई करने के बाद क्यारियाँ और नालियाँ बनाएँ। |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 6                  | पौधों के बीच दूरी  |                 |              |                                 |   | पहाड़ी क्षेत्रों में: प्रत्येक मेड में 2 बीज लगाएँ और पंक्तियों या बेड में 30 x 15 सेमी की दूरी रखें।<br>मैदानों में: बीजों को (प्रति मेड़ 2 बीज) मेड़ों के किनारों पर 45 x 30 सेमी की दूरी पर बोएं। |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 7                  | बुआई से पहले बी  | ज उपचार         |              |                                 | फडूंदी रोगों के नियंत्रण हेतु बीज बोने से 24 घंटे पहले बीजों का ट्राइकोडर्सा (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) से उपचार करें।   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 8                  | जैविक और रासाय   | ानिक उर्वरक     |              |                                 | अंतिम जुताई के दौरान 25 टन प्रति हेक्टेयर गोवर खाद का प्रयोग करें। मेड़ों के एक ओर 90 किग्रा/हेक्टेयर नाइट्रोजन और 125 किग्रा/हेक्टेयर फॉस्फोरस का प्रयोग करें                      |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 9                  | सिंचाई कार्यक्रम   |                 |              |                                 | बीज बोने के तुरंत बाद, फिर तीसरे दिन और आगे प्रत्येक सप्ताह एक बार।   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 10                 | निराई/ खेत की र्ब  | ोच-बीच में जुत  | गई           |                                 | बीज बोने के 20 से 25 दिन और 40 से 45 दिन बाद। हर बार निराई के बाद पौधों के चारों ओर मिट्टी चढ़ाएँ।  |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 11                 | पोषक तत्व और वि  | वेकास नियामव    | का छिड़काव   |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 12                 | कीट-पतंग और रो   | ग नियंत्रण      |              |                                 | व्हाइटफ्लाई :<br>पॉड बोरर : इ<br>मोज़ेक: प्रभावि<br>पाउडरी मिल्ड<br>एंथ्राक़ोज़: प्रभ   | इमिडाक्लोप्रि<br>मामेक्टिन वेंज<br>वेत पौधों को f<br>चू : टेबुकोनाज<br>ावित पौधों ए  | ड 30.5% SG<br>गेएट 5% SG<br>नेकालें और वे<br>गेल 50% + ह<br>वं फलीयों को | C (0.5 मिली/<br>(0.5 ग्राम/ली<br>क्टर नियंत्रण ह<br>ग़इफ्लोक्सीस्ट्रे<br>निकालें और टे | तीटर)<br>टर) या क्लोरो<br>इतु इमिडाक्लो<br>विन 25% W<br>बुकोनाजोल 3            | एंट्रानिलिप्रोल<br>प्रिड 30.5% 5<br>'G (0.5–1 ग्रा<br>8.39% w/w | 18.5% w/w<br>6C @ 0.5 मि<br>म/लीटर)<br>SC @ 1.25 | ामेत्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर)<br>(0.5 मिली/लीटर)<br>क्ली/लीटर छिड़कें<br>मिली/लीटर छिड़कें।<br>गें से सलाह लें। |  |  |  |  |  |
| 13                 | फसल काटना  |                 |              |                                 | बुआई के 60-<br>तोड़ें।  | 75 दिन में फर्त  | लेयाँ कटाई क   | रने योग्य हो ज   | ाएँगी। उन्हीं प  | क्तलियों की कट  | ाई करें जो मज                                    | बबूत और नरम हों, तथा हर 2–4 दिन के अंतराल पर कटाई करें। गीली फलियों को न  |  |  |  |  |  |
| 14                 | अनुमानित प्रति ए   | कड़ उपज         |              |                                 | आदर्श परिस्थि   | तियों में 90-  | 110 दिन में ह  | री फलियों की   | पैदावार 12–  | 15 टन/हेक्टेयर  | होती है।   |   |  |  |  |  |  |
| 15                 | भंडारण   |                 |              |                                 | ताज़ी फलियाँ  | जल्दी खराव   | हो जाती हैं। क   | टाई के बाद रे  | फ्रेजरेटर में रस   | इने पर 7–8 दि   | न तक ठीक रः                                      | हती हैं।  |  |  |  |  |  |
| 16                 | क्या न करें  |                 |              |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| 17                 | क्या करें  |                 |              |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |
| नोट                | यह जानकारी सि  | र्फ़ सामान्य जा | नकारी के लिए | है। विशेष क्षे                  | । से जुड़ी अनुशं  | साओं के लिए  | कृपया अपने र   | वंबंधित राज्य  | कृषि विभाग से  | संपर्क करें।  |  |   |  |  |  |  |  |
| सावधानियौँ         | फसल बृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि मुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्थ करें। यह सुनिश्चित करें कि वेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और<br>कीटनाशक की खरीद के विल अपने पास रखें। |                 |              |                                 |   |  |  |  |  |   |  |   |  |  |  |  |  |





# शेंगवर्गीय पीक व्ययस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील सर्वोत्तम शेंगवर्गीय वियाण्यांपैकी एक वियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे शेंगवर्गीय वियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे . शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे वियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच वियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या शेंगवर्गीय वियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात . उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो .

| शेंगवर्गीय        | कुसुमा,   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------------------|---|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| हायब्रीड          | लिता  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| कालावधी           | 100-110<br>दिवस   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| खरीप              | होय   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| रब्बी             | होय   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| वसंत ऋतू          | होय   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| सिंचनाचा स्रोत    | पाट/बोअरवेल   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|                   |   | नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्कता वेगवेगळी असू शकते.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| अनु. क्र.         | तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती   | कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1                 | क्षेत्राची योग्यता/कृषी-हवामान क्षेत्र  | भारतात वर्षभर शेंगवर्गीय वनस्पतींची लागवड करता येते, परंतु मध्यम हवामानात त्या चांगले उत्पादन देतात, म्हणून प्रत्येक प्रदेशानुसार पावसाळ्यात (जुलै-<br>ऑगस्ट), हिवाळा (ऑक्टोबर-नोव्हेंबर) आणि उन्हाळ्याच्या सुरुवातीला (फेब्रुवारी-मार्च) पेरणी करावी.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2                 | जमीन/माती   | चांगल्या निचन्याची चिकणमाती माती ज्याचा सामू (pH)ची श्रेणी 5.5-6.0 आहे इष्टतम तापमान 15- 24° सेल्सियस असावे.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 3                 | हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ   | डोंगराळ प्रदेश: फेब्रुवारी-मार्च, मैदानी प्रदेश: ऑक्टोबर-नोव्हेंबर   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 4                 | बियाणांचा दर पेरणी/लागवडीची पद्धत   | वियाण्याचे प्रमाण: बांधावर किंवा चरीवर सुमारे 80 किलो/हेक्टर आणि सपाट पाटासाठी 50 किलो/हेक्टर आवश्यक असते.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 5                 | मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड  | चरः माती पूर्णपणे खोदून त्यात शेणखत मिसळा आणि सोयीस्कर आकाराचे बेड तयार करा.<br>सपाट पाटः दोन नांगरणीनंतर, बांध आणि सरी तयार करा.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 6                 | अंतर  | चरीवर, बियाणे (2 बियाणे/चर) ओळींमध्ये किंवा वाफ्यांमध्ये 30 x 15 सेमी अंतरावर पेरा.<br>सपाट पाटात, कड्यांच्या बाजूने 45 x 30 सेमी अंतरावर बियाणांची (2 बिया/चर) पेरणी करा.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 7                 | पेरणीपूर्वी बियाणांवर प्रक्रिया   | बुरशीजन्य रोगांवर नियंत्रण मिळविण्यासाठी पेरणीपूर्वी 24 तास आधी 4 ग्रॅम/किलो बियाण्यांवर ट्रायकोडर्माची प्रक्रिया करा.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 8                 | सेंद्रिय पदार्थ आणि खते   | शेवटच्या नांगरणीच्या वेळी प्रति हेक्टर 25 टन शेणखत द्यावे. 90 किलो/हेक्टर नत्र आणि 125 किलो/हेक्टर हे चरीच्या एका बाजूने द्यावे.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 9                 | पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया  | पेरणीनंतर लगेच, तिसऱ्या दिवशी आणि त्यानंतर आठवड्यातून एकदा.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 10                | खुरपणी/आंतरमशागत  | पेरणीनंतर 20 – 25 दिवस आणि 40 – 45 दिवसांनी.  प्रत्येक खुरपणीनंतर पीक मातीने भरावे.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 11                | सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 12                | कीटक आणि रोग नियंत्रण   | फुलिकेडा/मावाः फ्लोनिकामिङ 50 % WG (0.5 ग्रॅम/लिटर) किंवा फ्लुबेन्डियामाइड 8.33% + डेल्टामेथ्रिन 5.56% भा/आ. SC (0.5 मिली/लिटर) पांढरी माशीः इमिडाक्लोप्रिङ 30.5% SC (0.5 मिली/लिटर) घाटे अळीः एमामेक्टिन वेंझोएट 5% SG (0.5 ग्रॅम/लिटर) किंवा क्लोरॉट्रानिलिप्रोल 18.5% भा/आ (0.5 मिली/लिटर) मोजॅकः प्रभावित झाडे काडून टाका आणि वाहकाचे नियंत्रण करण्यासाठी इमिडाक्लोप्रिङ 30.5% SC (0.5 मिली/लिटर) फवारणी करा. भुरी बुरशीः टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) अँश्रॅकनोजः प्रभावित झाडे आणि शेंगा काढून टाका आणि टेबुकोनाझोल 38.39% भा/आ SC (1.25 मिली प्रति लिटर) सह फवारणी करा. शेंतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 13                | कापणी   | 60-75 दिवसांत शेंगा कापणीसाठी तयार होतात. काढणीसाठी शेंगा घट्ट आणि कोवळ्या असाव्यात आणि दर 2 ते 4 दिवसांनी कापणी करावी. ओल्या शेंगा<br>काढणे टाळा.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 14                | अपेक्षित उत्पादन/एकर  | आदर्श परिस्थितीत प्रति हेक्टर 90 ते 110 दिवसांत 12 - 15 टन हिरव्यागार शेंगा मिळतात.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 15                | साठवणूक   | ताज्या वापरासाठी वापरल्या जाणाऱ्या शेंगा अत्यंत नाशवंत असतात. कापणीनंतर रेफ्रिजरेटरमध्ये ठेवल्यास त्यांचे आयुर्मान 7-8 दिवसांपर्यंत वाढू शकते.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 16                | करू नका   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 17                | करा   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| नोंद              |   | विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| घेण्याची<br>काळजी | पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक<br>आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटव | गरिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात<br>जनशके खरेदी करताना विल वाळगा.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |





## ಬುಷ್ ಬೀನ್ಸ್, ಬೇಸಾಯದ ಕ್ರಮಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಬುಷ್ ಬೀನ್ಸ್ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ, ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬುಷ್ ಬೀನ್ಸ್ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ಗೆ ಗಣನೀಯ ಅನುಭವವಿದೆ, ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ, ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ, ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ನ ಬಜ್ಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಜೈತನ್ಯವನ್ನು ನೀಡುತ್ತವೆ, ಜೊತೆಗೆ ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ,

| 140               |   | ಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ನೀಡುತ್ತವೆ, ಜೊತೆಗೆ ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ.<br>ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ಪುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸ್ಪುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ,   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------------------|---|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| 3050 <u>.</u> 460 | ವಾರ ಮುಮಲು ಬಿಯಮುಟ್ಟ ಕಾಲ್ತಮ ಕೃಷ ಮುದ್ಧರಗಾನ್ನು ಅಂಪದಿಸಲಾಂಥ.      | or other results opening read, without his one of the other of the other of the other results and other othe |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ಹೈಬ್ರಿಡ್          | ಕುಸುಮಾ , ಲಲಿತಾ  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ಬಷ್ ಬೀನ್ಸ್        |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ವಧಿ               | 100-110 ปิลิกัสรา   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ುಂಗಾರು<br>ಂಗಾರು   | ಹೌದು ಹೌದು   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ಸಂತ               | ಹೌದು  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ರಾವರಿ             | ಕಾಲುವ/ಬೋರ್ವ   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ವ್ಧತಿ             | ದಯವಿಟ   | ್ಕು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ಕತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ .      | ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ                             | ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1                 | ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ                            | ಇಂಡಿಯಾದಲ್ಲಿ ಬುಷ್ ಬೀನ್ಸ್ಗಳನ್ನು ವರ್ಷವಿಡೀ ಬೆಳೆಯಬಹುದು, ಆದರೆ ಅವು ಮಧ್ಯಮ ಹವಾಮಾನದಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತವೆ. ಆದ್ದರಿಂದ, ಪ್ರದೇಶವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ<br>ಮುಂಗಾರು (ಜುಲೈ-ಆಗಸ್ಟ್), ಚಳಿಗಾಲ (ಅಕ್ಟೋಬರ್-ನವೆಂಬರ್) ಮತ್ತು ಬೇಸಿಗೆಯ ಆರಂಭದಲ್ಲಿ (ಫೆಬ್ರವರಿ-ಮಾರ್ಚ್) ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡುವುದು ಸೂಕ್ತ.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2                 | ಭೂಮಿ / ಮಣ್ಣು  | 5.5-6.0 ರ ಪಿಎಚ್ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯೊಂದಿಗೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವ ಲೋಮಿ ಮಣ್ಣು ಅವಶ್ಯಕವಾಗಿದೆ. ಸೂಕ್ತ ಉಷ್ಣಾಂಶವು 15-24∘C ಆಗಿದೆ.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 3                 | ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ                                       | ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಗಳು: ಫೆಬ್ರವರಿ – ಮಾರ್ಚ್, ಬಯಲು ಪ್ರದೇಶಗಳು: ಅಕ್ಟೋಬರ್ – ನವೆಂಬರ್   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 4                 | ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.                            | ಬೀಜದ ದರ; ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಗಳಿಗೆ ಸುಮಾರು 80 ಕೆ.ಜಿ./ಹಕ್ಟೇರ್ ಮತ್ತು ಬಯಲು ಪ್ರದೇಶಗಳಿಗೆ 50 ಕೆ.ಜಿ./ಹೆಕ್ಟೇರ್ ಬೀಜದ ಅಗತ್ಯವಿದೆ.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 5                 | ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ                    | ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಗಳು: ಮಣ್ಣನ್ನು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಅಗೆದು, FYM ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಿ ಸೂಕ್ತ ಗಾತ್ರದ ಪಾತಿಗಳನ್ನು ಮಾಡಿ.<br>ಬಯಲು ಪ್ರದೇಶಗಳು: ಎರಡು ಬಾರಿ ಉಳುಮ ಮಾಡಿದ ನಂತರ, ಎರಿ ಮತ್ತು ಸಾಲುಗಾಲುವೆಗಳನ್ನು ಮಾಡಿ.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 6                 | ಅಂತರ  | ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ, ಸಾಲುಗಳಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಪಾತಿಗಳಲ್ಲಿ 30×15 ಸೆಂ.ಮೀ, ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು (2 ಬೀಜ/ಗುಂಡಿಗೆ) ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿ.<br>ಬಯಲು ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ, ಏರಿಗಳ ಬದಿಗಳಲ್ಲಿ 45×30 ಸೆಂ.ಮೀ, ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು (2 ಬೀಜ/ಗುಂಡಿಗೆ) ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿ.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 7                 | ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ                                 | ಶಿಲೀಂಧ್ರ ರೋಗಗಳನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಬಿತ್ತನೆಗೆ 24 ಗಂಟೆಗಳ ಮೊದಲು ಪ್ರತಿ ಕೆ.ಜಿ. ಬೀಜಕ್ಕೆ 4 ಗ್ರಾಂ ಟ್ರೈಕೋಡರ್ಮಾ ಬಳಸಿ ಬೀಜೋಪಚಾರ ಮಾಡಿ.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 8                 | ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು                                    | ಕೊನೆಯ ಉಳುಮಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರ್ಗೆ 25 ಟನ್ FYM ಹಾಕಿ. ಪ್ರತಿ ಹೆಕ್ಟೇರ್ಗೆ 90ಕೆ.ಜಿ.ಸಾರಜನಕ ಮತ್ತು 125ಕೆ.ಜಿ. ರಂಜಕವನ್ನು ಏರಿಗಳ ಒಂದು ಬದಿಯಲ್ಲಿ<br>ಹಾಕಬೇಕು  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 9                 | ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ   | ಬಿತ್ತಿದ ತಕ್ಷಣ, ಮೂರನೇ ದಿನದಂದು ಮತ್ತು ನಂತರ ವಾರಕ್ಕೊಮ್ಮೆ.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 10                | ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವಿಕೆ/ ಅಂತರ-ಬೇಸಾಯ                                  | ಬಿತ್ತಿದ 20-25 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮತ್ತು 40-45 ದಿನಗಳ ನಂತರ. ಪ್ರತಿ ಕಳೆ ತೆಗೆದ ನಂತರ ಬೆಳೆಗೆ ಮಣ್ಣು ಏರಿಸಬೇಕು.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 11                | ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು             |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 12                | ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ                                      | ಥ್ರಿಪ್ಸ್/ಎಲೆ ತಿಗಣೆ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಫ್ಲೇನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG(0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಫ್ಲಬೆಂಡಿಯಾಮೃಡ್ 8.33%-ಡೆಲ್ಟಾಮಥ್ರಿನ್ 5.66% w/w SC(0.5 ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್) ಬಳಸಿ ಬಿಳಿ ನೂಣ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 30.5% SC(0.5 ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್) ಬಳಸಿ ಕಾಯ ಕೊರಕ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಎಮಾಮಕ್ಟನ್ ಬೆಂಚೋಯೇಟ್ 5% SG(0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕ್ಲೋರಂಟ್ರಾನಿಲಿಪ್ರೋಲ್ 18.5% w/w(0.5 ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್) ಬಳಸಿ ಮೊಸಾಯಿಕ್ ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ರೋಗಪೀಡಿತ ಸಸ್ಯಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುವಾಕಿ ಮತ್ತು ವಾಹಕವನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಇಮಿಡಾಕ್ಲೋಪ್ರಿಡ್ 30.5% SC(0.5 ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್) ಸಿಂಪಡಿಸಿ ಬೂದಿರೋಗ (Powdery mildew) ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಬೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50%+ಟ್ರೈಫ್ಲೋಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG(0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಬಳಸಿ ಆಂಥ್ರಾಕ್ನೋಸ್ ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ರೋಗಪೀಡಿತ ಸಸ್ಯಗಳು ಮತ್ತು ಕಾಯಿಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುವಾಕಿ ಮತ್ತು ಟಿಬುಕೊನಜೋಲ್ 38.39% w/w SC(1.25 ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್) ಸಿಂಪಡಿಸಿ.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|                   |   | ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 13                | ಕೊಯ್ಲು  | 60-75 ದಿನಗಳು ನಲ್ಲಿ ಕಾಯಿಗಳು ಕಟಾವಿಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. ಕಟಾವು ಮಾಡಲು ಕಾಯಿಗಳು ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ ಮತ್ತು ಮೃದುವಾಗಿರಬೇಕು, ಮತ್ತು ಪ್ರತಿ 2 ರಿಂದ 4 ದಿನಗಳಿಗೊಮೆ<br>ಕಟಾವು ಮಾಡಿ. ಒದ್ದೆಯಾದ ಕಾಯಿಗಳನ್ನು ಕಟಾವು ಮಾಡುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 14                | ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ/ಎಕರೆಗೆ                                     | ಸೂಕ್ತ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ 90 ರಿಂದ 110 ದಿನಗಳಲ್ಲಿ 12–15 ಟನ್/ಹಕ್ಟೇರ್ ಹಸಿ ಕಾಯಿಗಳ ಇಳುವರಿ ಬರುತ್ತದೆ.  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 15                | ಶೇಖರಣೆ  | ತಾಜಾ ಉದ್ದೇಶಗಳಿಗಾಗಿ ಬಳಸುವ ಬೀನ್ಸ್ ಹೆಚ್ಚು ಬೇಗ ಹಾಳಾಗುತ್ತವೆ, ಕಟಾವಿನ ನಂತರ ಶೀತಲೀಕರಣ ಮಾಡುವುದರಿಂದ ಸಂಗ್ರಹಣಾ ಅವಧಿಯನ್ನು 7–8 ದಿನಗಳವರೆಗೆ<br>ಹೆಚ್ಚಿಸಬಹುದು,  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 16                | ಮಾಡಬೇಡಿ   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 17                | ಮಾಡಬೇಕಾದವು  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ಾಚನೆ              | ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬ | ಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.





పొద చిక్కుడులో పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి శుభాకాంక్షలు! క్రిఫ్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన పొద చిక్కుడు విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన పొద చిక్కుడు విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉధ్యేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయముల్లో క్రిఫ్టల్ అత్యాధునిక ఔక్సాలజీలను పెటిస్తుంది. క్రిఫ్టల్ పొద చిక్కుడు విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్

|                      | డి కొరకు దయచేసి ఉత్తేమమైన వ్యవ<br>ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మి                    |                                   |   | 200 W W.08   | 1 W W W W   | രായയ്യ ഡ, ട  | . ಬಳ್ಳು ಎ೬  | in våm  | , 20                                  |  |  |
|----------------------|--|-----------------------------------|---|--|---|--|---|---|---------------------------------------|--|--|
| ాబిడ్ పొద<br>        | కుసుమ, లలీత  |                                   | ,   |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| , ట్రాడ్లు<br>క్కుడు | 30,000,000   |                                   |   |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| లము పరిమితి          | 100-110 రోజులు   |                                   | - <mark> </mark>  | <mark> </mark>   |   | <u></u>  |   |   | 1                                     |  |  |
| <del>ర</del> ీఫ్     | అవును  |                                   |   |  |   | l  |   |   | · <b> </b>                            |  |  |
| బ్                   | అవును  |                                   |   |  |   |  |   |   | 1                                     |  |  |
| సంత కాలము            | అవును  |                                   | -   |  |   | l  |   |   | 1                                     |  |  |
| టి పారుదల వనరు       | ్ కాలువ/బోర్ బావి  |                                   |   |  |   |  |   |   | 1                                     |  |  |
|                      | దయచేసి గమనించండి వాతా  | చరణ పరిస్థితుల                    | ఆధారముగా పం   | ట ఎదుగుదల  | ు & పక్వము  | కాలము మార  | వచ్చు   |   |                                       |  |  |
| <u></u> [క. సο.      | వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణల  |                                   | ఆపరేషన్ వివర  |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| 1                    | ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత/ఎ<br>వాతావరణ జోన్                                       | వ్యవసాయ-                          | భారతదేశములో పొద చిక్కుడుని సంవత్సరము-అంతటా పెంచవచ్చు, కానీ అవి<br>మధ్యస్థమైన వాతావరణములో బాగా పండుతాయి. కాబట్టి (పాంతముని బట్టీ వాటిని వానా<br>కాలము (జాలై-ఆగస్ట్), శీతా కాలము (అక్టోబర్-నవంబర్) మరియు వేసవిలో ముందరి<br>కాలము (ఫ్మిబవరి-మార్పి) లో నాటాలి. |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| 2                    | భూమి/మట్టి   |                                   | బాగా నీరు ఇంకే  | లోమీ నేలలు p   | oH 5.5-6.0 ඒ ර  | వున్నవి అవసం   | రము. సరై  | 3న ఉష్ణోగ్ర   | త 15- 2                               |  |  |
| 3                    | కాలము. విత్తే/నాటే సమయము   |                                   | కొండలు: ఫిబ్రవర   | రి-మార్చి, పల్లఫ   | <u>)</u> (ဆဲဝဇာဃ: ၊   | అక్టోబర్-నవంశ  | ນຽົ   |   |                                       |  |  |
| 4                    | విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పద్ధతి.   |                                   | విత్తనాల రేట్: కొ<br>కిలోలు అవసరవ   | ుు పడతాయి.   |   |  | -   | _   |                                       |  |  |
| 5                    | ప్రధానమైన పొలముని తయారు శ  | వేయడము                            | కొండలు: మట్టిని   | బాగా తవ్వండి   | ಮರಿಯು ಎಕ್ಟ  | ್ಪೆ೨೦೪ ಇಂತ್ಯ   | క్పొరేట్ చె   | కేయండి వ  | ురియు                                 |  |  |
|                      | మరియు నాటడము   |                                   | సరిపడిన సైజులో బెడ్లను నిర్మించండి.<br>పల్లపు (పాంతాలు: రెండు సార్లు దున్ని న తరవాత, గట్లు మరియు చాళ్ళు ఏర్పాటు<br>చేయండి.  |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| 6                    | ఖాళీ ఇవ్వడము   |                                   | కొండలలో, విత్తనాలను (గట్టుకి/2 విత్తనాలు) వరుసగా లేదా బెడ్డలో 30 x 15 cm దూరము<br>నాటండి.<br>పల్లపు ప్రాంతాల్లో, విత్తనాలను (గట్టుకి/2 విత్తనాలు) గట్టుకి [పక్కన 45 x 30 cm దూరముల<br>నాటండి.   |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| 7                    | విత్తే ముందు విత్తనముని శుధ్ధి చేం   | యడము                              | శిలీం(ధాల వల్ల న  | వచ్చే తెగుళ్ళన<br>తనానికి /4 imవ   | ు కంటోలులో<br>మల లెక్కన 18  | వుంచడానికి :<br>బికోడెర్మాతో శు  | ఎత్తనాలన<br>ధ్రి చేయం   | సు నాలేు 24<br>పడి.                                     | 1 Noe                                 |  |  |
| 8                    | ఎరువులు మరియు ఫర్జిలైజర్లు   |                                   | ముందు కిలో విల్లి<br>చివరి దుక్కి దుగి<br>ఒక (పక్కన హెక్టౌ  | ్నున తరవాత <sup>ా</sup><br>ర్/90 కిలోల N   | హెక్టార్/25 టన<br>మరియు హెక్ట   | స్నుల ఎప్పైఎం<br>కౌర్/125 కిలోల  | ) ಅಪ್ಪಿ ವೆ<br>P ಅಪ್ಲಿ ಕ   | యండి. గళ్<br>వేయండి                                     | ್ಲು ಯುಕ್ತ                             |  |  |
| 9                    | నీటి పారుదల షెడ్యూల్   |                                   | ఇది నాటిన వెంట  |  |   |  |   |   | ేయాల <u>ి</u>                         |  |  |
| 10                   | కలుపు మొక్కలు తీయడము/అం  | ంతర్గత-కల్టివేషన్                 | నాటిన తరవాత :<br>స్థిపిసారీ మొక్క   | 20-25 රී පපදී .  | మరియు 40-45   | 5 రోజులకి. కల  |   |   |                                       |  |  |
| 11                   | సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగు   | ్యలేటర్ (స్పేలు                   |   |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| 12                   | చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్  |                                   | తామర పురుగుల<br>ఫ్లూబెఫ్టియామైడ్<br>తెల్ల దోమ: ఇమిం<br>కాయ తొలచు పు<br>క్లో ర్వాహ్గెలిట్రిల్లో<br>మొజుయిక్ తెగు<br>మరియు ఇమితా<br>బూడిద తెగులు:<br>గ్రాములు)<br>కాయ కుళ్ళు తెగ<br>టెబుకొనజోల్ 38<br>పొలములో తెగుం<br>ఫ్లానిక వ్యవసాయ                        | 8.33 % + विष्ण<br>కాక్లో (పిడ్ 30.5%<br>రుగు: ఎమామెఫీ<br>ప్ 18.5% w/w (<br>లు: తెగులుని క<br>క్లో (ప్రిడ్ 30.5% క<br>కాబుకొనజోల్ :<br>బలు: ఆశించిన<br>.39% w/w SC<br>లు & చీడల కళ<br>ప ఆపీసరను స | మె(థిన్ 5.56 %<br>s SC (లీటరు//<br>క్రీన్ బెస్త్ యేట్<br>లీటరు/0.5ml<br>soc (లీటరు/0.5<br>50% + (టిఫ్లోకీ,<br>మొక్కలు మం<br>(లీటరు/1.25<br>ం(టోలు మీద ం | s w/w SC (లీట<br>0.5 ml)<br>5% SG (లీటర<br>)<br>డానికి ఆశించి<br>5 ml) పిచికారీ<br>న్నిస్టోబీన్ 25% v<br>రియు కాయల.<br>ml) పిచికారీ చే<br>అదనపు సమాణ | బరు/0.5<br>బ/0.5 గ్రా<br>న మొక్క<br>చేయండి<br>WG (లీట<br>ను తొలగి<br>గేయండి.<br>దారము క | ml) లే<br>ములు) లే<br>లను తొల<br>రుకి 0.5 to<br>ంచండి మ | దా<br>గించంం<br>1<br>ురియు<br>యచేసి స |  |  |
| 13                   | కోత  |                                   | 60-75 DASలో కా<br>ఎన్నప్పుడు కోత<br>కోయకండి.  | యలు కోతకి సి<br>కోయాలి, ప్రతి  | ద్ద్రముగా వుంట<br>2 నుంచి 4 రోం   | ాయి. కాయలు<br>జులకి కోత కోయ  | ගාව. ඡයී  | గా వున్న క  | కాయల                                  |  |  |
| 14                   | ఎకరానికి/ఆశించే దిగుబడి  |                                   | సరైన పరిస్థితుల<br>కాయలు వస్తాయి  | సరైన పరిస్థితులలో 90 నుంచి 110 రోజులకి 12-15 టన్నులు/ హెక్టరుకి ఆకుపచ్చని  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| 15                   | స్టోర్ చేయడము  |                                   | తాజాగా పున్న చిక్కుడు కాయలు తొందరగా వడులుతాయి. కోత కోసిన తరవాత రె[ఫీజిరె<br>చేస్తే 7-8 రోజులు షెల్ఫ్ లైఫ్ పెరుగుతుంది.  |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| 16                   | చేయకూడనివి   |                                   |   |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| 17                   | చేయవలసినవి   |                                   |   |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| మనిక                 | పైన చెప్పబడిన సమాచారము సే<br>రా[ష్ఠ స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను స                    | ం[పదించండి.                       |   |  |   |  |   |   |                                       |  |  |
| <u> </u>             | పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగ<br>సంప్రదించాలని సూచించడము<br>ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరిం | ుబడి పలు కారణా<br>జరిగింది. కేవలమ | ు అధిక-నాణ్యత కం  | లిగిన ఫర్టీలైజర్గ  | స్లు మరియు క <u>ీ</u> డ   | ుకనాశనులు వ  | హ్మతమే  |   | కొరకు                                 |  |  |





## বরবটি চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উংকৃষ্ট বরবাটর বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের বরবাট বীজগুলি উংপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষ্কেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উংপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের বরবটি বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উংকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে। অনুগ্রহ করে চমংকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত

নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ন।

| হাইব্রিড<br>বরবটি | কুসুমা,<br>ললিতা |  |  |      |  |  |  |
|-------------------|------------------|--|--|------|--|--|--|
| সময়সামা          | 100-110<br>দিন   |  |  |      |  |  |  |
| খরিফ              | হ্যাঁ            |  |  |      |  |  |  |
| রবি               | হ্যাঁ            |  |  |      |  |  |  |
| বসন্ত             | হ্যাঁ            |  |  |      |  |  |  |
| সেচের উৎস         | ন না/ বোরওয়েল   |  |  | <br> |  |  |  |

|                 | অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন (             | য আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে  |
|-----------------|--------------------------------------|---|
| ক্রমিক<br>নম্বর | বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি           | প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ   |
| 1               | এলাকার উপযোগিতা/কৃষি-জলবায়ু<br>জোন  | ভারতে বরবর্টি সারা বছর চাষ করা যায়, কিন্তু মাঝারি আবহাওয়ায় সেগুলোর ফলন ভালো হয়, তাই অঞ্চলভেদে<br>বর্ষাকালে (জুলাই-আগষ্ট), শীতকালে (অক্টোবর-নভেম্বর), এবং গ্রীষ্মকালের শুরুতে (ফেব্রুয়ারি-মার্চ) বপন করা নির্ভর<br>করে।   |
| 2               | জমি / মাটি                           | 5.5-6.0 pH মান সহ ভালো নিষ্কাশনযুক্ত দোঁআশ মার্টি প্রয়োজন। আদর্শ তাপমাত্রা15- 24°সেন্টিগ্রেড।  |
| 3               | ঋতু। বপন/রোপণের সময়                 | পাহাড়: ফেব্রুয়ারি-মার্চ, সমতল: অক্টোবর-নভেম্বর  |
| 4               | বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।        | বীজের হার: পাহাড়ের জন্য প্রায় ৪০ কেজি/হেক্টর এবং সমতলের জন্য 5০ কেজি/হেক্টর প্রয়োজন।   |
| 5               | মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ       | পাহাড়: মার্টি ভালোভাবে চাষ করে তাতে পচা FYM মিশিয়ে সুবিধাজনক আকারের বেড তৈরি করতে হবে।<br>সমতল: দুইবার চাষের পর, রিজ এবং ফারো তৈরি করতে হবে।  |
| 6               | ফাঁক                                 | পাহড়ে, 30 x 15 সেন্টিমিটার দূরত্বে সারি অথবা বেডে প্রতি গর্তে (2টি বীজ/পাহাড়) বপন করতে হবে।<br>সমতলে, 45 x 30 সেন্টিমিটার দূরত্বে রিজের পাশে প্রতি গর্তে (2টি বীজ/পাহাড়) বপন করতে হবে।   |
| 7               | বপনের আগে বীজের পরিচর্যা             | বাজ বপনের 24 ঘণ্টা আগে বাজে 4 গ্রাম/ কোজ ট্রাহকোডামা াদয়ে বাজ প্রাক্রয়াজাত করতে হবে যাতে ছত্রাকজানত<br>রোগ নিয়ন্ত্রণ করা যায়।   |
| 8               | জৈব এবং রাসায়নিক সার                | শিষ চাষের সময় 25 টাংক্তর FYM প্রয়োগ করুন। 90 তে N এবং 125 কোজ/হেক্তরে P ারজের একপাশে প্রয়োগ<br>করতে হবে  |
| 9               | সেচের সময়সূচী                       | বপনের ঠিক পরেই, তৃতীয় দিনে এবং তারপর প্রতি সপ্তাহে একবার।  |
| 10              | আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা      | বপনের 20 – 25 দিন এবং 40 – 45 দিন পর। প্রতিটি আগাছা নিবারণের পর ফসলের চারপাশে মাটি চাপা দিতে হবে।   |
| 11              | ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান |   |
| 12              | পোকা এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ              | প্রিপস /এফিডস : ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) অথবা ফ্লুবেনডিয়ামাইড ৪.33 % + ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলটার/লিটার) সাদা মাছি: ইমিডাক্লোপ্রিড 30.5% SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) পড বোরর: ইমামেকটিন বেনজোয়াট 5% SG (0.5 গ্রাম/লিটার) অথবা ক্লোরানট্রানিলিপ্রোল 18.5% w/w (0.5মিলিলিটার/লিটার) মোসাইক: আক্রান্ত উদ্ভিদগুলো সরিয়ে ফেলুন এবং ভেক্টর নিয়ন্ত্রণ করতে ইমিডাক্লোপ্রিড 30.5% SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) ছিটান পাউডারি মিলডিউ: টেবুকোনাজোল 50% + ট্রিফ্লোক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) অ্যানথ্রাকনোস: আক্রান্ত উদ্ভিদ এবং ফল সরিয়ে ফেলুন এবং টেবুকোনাজোল 38.39% w/w SC (1.25 মিলিলিটার |
| 13              | ফসল কাটা                             | 60-75 DAS তে ফসল কাটার জন্য পডগুলি প্রস্তুত হবে। পডগুলি ফসল কাটার জন্য শক্ত এবং কোমল হওয়া উচিং<br>এবং প্রতি 2 থেকে 4 দিনে একবার ফসল কাটা উচিং। ভজো পডগুলরি ফসল কাটা এড়য়ি েচলুন।  |
| 14              | প্রত্যাশিত ফলন/ একর                  | সবুজ পডগুলির আদ <b>র্শ</b> অবস্থায় 90 থেকে 110 দিনে 12 - 15 t/হেক্টর।  |
| 15              | সংরক্ষণ                              | তাজা খাওয়ার জন্য বরবর্টি দ্রুত নষ্ট হয়ে যায়। ফসল কটাি হলে ফ্রিজে রাখলে এর স্থায়িত্বকাল 7-৪ দিন পর্যন্ত বাড়ানে<br>যায়।   |
| 16              | করবেন না                             |   |
| 17              | করবেন                                |   |
| দুষ্টব্য        |                                      | র্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।  |
| নতৰ্কতা         | ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উ        | পাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা   |





# বুশ বিন অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন! আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ উৎকৃষ্ট বুশ বিনৰ বীজ এটা বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ বুশ বিন বীজ উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্ৰিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ বুশ বিনৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।

াব্যাল্য কৰিব আৰু অবে তাৰুজ্জ তত-ডংগাদ্দশাল ব্যৱজ্জ শসা বিদাশ কৰা। বাজ ডংগাদ্দৰ সময়ত ক্ৰিছেলে শেহতায়া প্ৰযুক্ত গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সবোচ্চ মানৰ বীজ্ব লাভ কৰে। বুশ বিনৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উংকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুগ্ৰহ কৰি উংকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উংকৃষ্ট উংপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

| হাইব্রিড<br>বুশ বিন | কুসুমা,<br>ললিতা   |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|---------------------|--|----------------|----------------|-----------|---|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|                     | 100-110  |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| সময়কাল             | দিন  |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| খাৰিফ               | হয়  |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ৰাবি                | হয়  |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| বসন্ত<br>জলসিঞ্চনৰ  | হয়<br>নেল/ ব'ৰে   | तल             |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 0(1114-11           | অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।   |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ক্ৰমিক<br>নম্বৰ     | সবিশেষ/ব   | চাৰ্য্য্য/অ    | নুশীলন         |           | কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1                   | অঞ্চলটোৰ<br>অঞ্চল  | উপযোগ          | ীতা/কৃষি       | জলবায়ু   | শ বিন ভাৰতবৰ্ষত গোটেই বছৰজুৰি খেতি কৰিব পাৰি, কিন্তু ই মধ্যমীয়া বতৰত ভালকৈ কাম কৰে, সেয়ে অঞ্চলটোৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি বাৰিষা (জুলাই-<br>মাগষ্ট), শীতকাল (অক্টোবৰ-নৱেম্বৰ), আৰু গ্ৰীষ্মৰ আৰম্ভণিতে (ফেব্ৰুৱাৰী-মাৰ্চ) বীজ সিঁচা হয়।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2                   | ভূমি / মাটি  |                |                |           | 5.5-6.0 pH পৰিসৰ থকা ভালদৰে পানী নিষ্কাশন কৰা লোমী মাটিৰ প্ৰয়োজন। ইয়াৰ উত্তম তাপমাত্ৰা 15- 24°C।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 3                   | ঋতু বীজ গি   | নঁচাৰ/পৰে      | ণাৱাৰ সম       | ায়       | গাহাৰঃ ফেব্ৰুৱাৰী-মাৰ্চ, সমভূমিঃ অক্টোবৰ-নৱেম্বৰ  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 4                   | বীজৰ হাৰ।  | বীজ সিঁচ       | ন/পলোৱ         | া পদ্ধতি  | বীজৰ হাৰ: পাহাৰৰ বাবে প্ৰায় 80 কেজি/হেক্টৰ আৰু সমভূমিৰ বাবে 50 কেজি /হেক্টৰৰ প্ৰয়োজন হয়।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 5                   | মূল পথাৰৰ  | প্রস্তুতি ড    | মাৰু ৰোপ       | าๆ        | াহ্যৰ: মাটি ভালকৈ খান্দি FYM সংযুক্ত কৰক আৰু সুবিধাজনক আকাৰৰ বিছনা গঠন কৰক।<br>মভূমি: দুবাৰকৈ খেতি কৰাৰ পিছত, শৃংগ আৰু খোজ গঠন কৰক।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 6                   | ব্যৱধান  |                |                |           | পাহাৰত, বীজবোৰ (প্ৰতিটো পাহাৰত 2টা) 30 x 15 ছেঃমিঃ ব্যৱধানত শাৰী বা বিছনাত সিঁচিব লাগে।<br>সমতল অঞ্চলত, বীজবোৰ (2 টা বীজ / পাহাৰ) 45 x 30 ছেঃমিঃৰ ব্যৱধানত শৃংগবোৰৰ ফালে সিঁচিব লাগে।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 7                   | বাজ সিচাৰ<br>শোধনীকৰণ  |                | বাজৰ           |           | বীজ বীজ সিঁচাৰ 24 ঘণ্টা আগতে ট্ৰাইক ডাৰ্মা 4 গ্ৰাম/কেজি বীজৰ দ্বাৰা শোধন কৰি ভেঁকুৰৰ ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ কৰিব লাগে।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 8                   | সাৰ আৰু স  | নাৰুৱা পা      | নার্থ          |           | শেহতীয়া খেতিত FYM 25 টন/হেক্টৰ প্ৰয়োগ কৰক। N 90 আৰু P 125 কেজি/হেক্টৰত এটা ফালে প্ৰয়োগ কৰিব লাগে   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 9                   | জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী   |                |                |           | বীজ সিঁচাৰ লগে লগে, তৃতীয় দিনা আৰু তাৰ পিছত সপ্তাহত এবাৰ।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 10                  | ঘাঁহ কাটি/ত  |                | ۲.             |           | বীজ সিঁচাৰ পিছত 20-25 দিন আৰু 40-45 দিন  প্ৰতিবাৰ গছৰ পুলি কাটি দিয়াৰ পিছত শস্যৰ মাৰ্টি পুৰি পেলাব লাগে।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 11                  | ক্ষুদ্র পুষ্টি/বৃ  | দ্ধি নিয়ন্ত্র | ক স্প্রে       |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 12                  | কীট-পতংগ   | া আৰু বে       | য়াগ নিয়ন্ত্র | ୩         | প্ৰিপছ্য এফিডছ: ফ্লোনিকামাইড 50% WG (0.5 গ্ৰাম/লিটাৰ) বা ফুলুবেণ্ডাইডামাইড 8.33% + ডেল্টামেপ্ৰিন 5.56% w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) হোৱাইটক্লাইঃ ইমিডক্লেপ্লিড 30.5% SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) পড় বোৰাৰ: এমেমেন্ট্ৰিন বেঞ্জোয়েট 5% SG (০.৫ গ্ৰাম/ লিটাৰ) বা ক্লুৰান্ট্ৰানিলিপ্ৰল 18.5% w/w (0.5 মিলি/ লিটাৰ) মোজাইকঃ আক্ৰান্ত উদ্ভিদবোৰ আঁতৰাই ভেক্ট্ৰ নিয়ন্ত্ৰণ কৰিবলৈ ইমিডক্লেপ্লিড 30.5% SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) স্প্ৰে কৰক পাউডাৰী মল্ডিউ: টেবুকোনাজোল 50% + ট্ৰাইক্লপ্লিষ্ট্ৰ'বিন 25% WG (প্ৰতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্ৰাম) এন্প্ৰেকন'জ: আক্ৰান্ত গছ আৰু গুটি আঁতৰাই টেবুক'নাজ'ল 38.39% w/w SC (প্ৰতি লিটাৰত 1.25 মিলি) স্প্ৰে কৰিব লাগে। পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 13                  | শস্য চপোৱ  | П              |                |           | 60-75 DASত শস্য চপোৱাৰ বাবে পেকেটসমূহ সাজু হ'ব। পলুবোৰ কঠীয়াতলীলৈ দৃঢ় আৰু কোমল হ'ব লাগে, আৰু প্ৰতি 2ৰ পৰা 4 দিনত এবাৰ<br>কঠীয়াতলী কাটিব লাগে। ভিজা পেকেটবোৰ কাটিবলৈ নিদিব।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 14                  | প্রত্যাশিত য   | ফলন/ এব        | <b>চ</b> ৰ     |           | আদৰ্শ পৰিস্থিতিত 90ৰ পৰা 110 দিনত 12-15 টন/হেক্টৰ সেউজীয়া গুটি।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 15                  | সংৰক্ষণ  |                |                |           | সতেজ উদ্দেশ্যৰ বাবে বনগছ অতি ক্ষয়ীভোগী। শস্য চপোৱাৰ পিছত হিমায়ন কৰিলে ইয়াৰ ৰক্ষণাবেক্ষণ কাল 7-8 দিনলৈ বৃদ্ধি কৰিব পাৰি।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 16                  | নকৰিবা   |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 17                  | কৰিবা  |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| টোকা                | ওপৰৰ তথ  | ্যসমূহ সা      | ধাৰণ পৰ        | ামৰ্শৰ বা | াবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| সাৱধানতা            | শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ<br>আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক। |                |                |           |   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |





ଅଭିନନ୍ଦନ। ଆପଣ କ୍ରିଷ୍କାଲ୍ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭଲ ଶିସ୍ ବିହନ ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। କ୍ରିଷ୍କାଲର ଉଚ୍ଚମାନର ଶିସ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ଅଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବିଡ଼ ଫସଲ ବିକଣିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବରାର ବିହନ ପାଇବା ନିଷ୍ଟିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍କାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୃତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍କାଲ୍ର ଶିସ୍କ ବିହନ ଜୈବିକ୍ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ତାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍କ ଅକୁରୀକରଣ ଏବଂ ଉଭମ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରେ। ଉତ୍କୃଷ୍କ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ବୟାକରି ସର୍ବୋଭମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରଢୁ। ନିମ୍ବଲିଖ୍ଡ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ମଭି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣକୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

| 41 2002 1         |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| ଶିମ୍ବ ହାଇବ୍ରିଡ୍   | କୁସୁମ,<br>ଲଳିତା  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ଅବଧ୍              | 100-110 ଦିନ  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ଖରିପ              | ହ  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ରବି<br>ବସନ୍ତ      | ହୁଁ  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|                   | ହିଁ<br>ନାଲ/ ବୋରୱେଲ   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| WIND CO 11 OF ONE |  | କରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା     | ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ  | କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୂଟ୍  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1                 | କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା   | ଭାରତରେ ବର୍ଷସାର। ଶିମ୍କ ଚାଷ କରାଯାଇପାରିବ, କିନ୍ତୁ ଏହା ମଧ୍ୟମ ପାଣିପାଗରେ ଭଲ ଫଳ ଦିଏ, ତେଣୁ ଅଞ୍ଚଳ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି ମୌସୁମୀ (ଜୁଲାଇ-ଅଗଷ୍ଟ),<br>ଶୀତ (ଅକ୍ଟୋବର-ନଭେମ୍ବର) ଏବଂ ଗ୍ରୀଷ୍ମ ଋତୁର ଆରୟରେ (ଫେବୃଆରୀ-ମାର୍ଚ୍ଚ) ବୁଣାଯାଏ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2                 | ଭୂମି / ମାଟି  | 5.5-6.0 ପିଏଚ୍ ପରିସର ସହିତ ଭଲ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ଦୋରସା ମାଟି ଆବଶ୍ୟକ। ସର୍ବୋଉମ ତାପମାତ୍ରା ହେଉଛି 15-24° ସେଲସିୟସ୍।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 3                 | ଋତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ  | ପାହାଡିଆ ଅଞ୍ଚଳ: ଫେବୃଆରୀ – ମାର୍ଚ୍ଚ, ସମତଳ ଅଞ୍ଚଳ: ଅକ୍ଟୋବର – ନଭେମ୍ବର  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 4                 | ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି  | ବିହନ ହାର: ପାହାଡିଆ ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ ପ୍ରାୟ ୫୦ କିଲୋଗ୍ରାମ/ହେକ୍ଟର ଏବଂ ସମତଳ ପାଇଁ 5୦ କିଲୋଗ୍ରାମ/ହେକ୍ଟର ଆବଶ୍ୟକ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 5                 | ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ   | ପାହାଡିଆ ଅଞ୍ଚଳ: ମାଚିକୁ ଭଲ ଭାବରେ ଖୋଳି ସେଥିରେ ଗୋବର ଖତ ମିଶାନ୍ତୁ ଏବଂ ସୁବିଧାଜନକ ଆକାରର ଶଯ୍ୟା ତିଆରି କରନ୍ତୁ।<br>ସମତଳ ଅଞ୍ଚଳ: ଦୁଇଟି ହଳ କରିବା ପରେ, ଧାର ଏବଂ ଖାଲ ତିଆରି କରନ୍ତୁ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 6                 | ବ୍ୟବଧାନ  | ପାହାଡିଆ ଅଞ୍ଚଳରେ, ଧାଡ଼ିରେ କିମ୍ବା ଶନ୍ଦ୍ର୍ୟାରେ 30 x 15 ସେମି ବ୍ୟବଧାନରେ ବିହନ (2 ବିହନ/ହିଲ୍) ବୁଣନ୍ତୁ ।<br>ସମତଳ ଅଞ୍ଚଳରେ, ଧାରଗୁଡ଼ିକର ପାର୍ଶ୍ୱରେ 45 x 30 ସେମି ବ୍ୟବଧାନରେ ବିହନ (2 ବିହନ/ହିଲ୍) ବୁଣନ୍ତୁ ।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 7                 | ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର  | କବକ ରୋଗ ନିୟତ୍ତଣ ପାଇଁ ବୁଶିବାର 24 ଘଣ୍ଟା ପୂର୍ବରୁ ବିହନକୁ 4 ଗ୍ରାମ/କିଲୋଗ୍ରାମ ଟ୍ରାଇକୋଡର୍ମା ସହିତ ବିହନ ବିଶୋଧନ କରନ୍ତୁ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 8                 | ଖତ ଏବଂ ସାର   | ଶେଷ ହଳ ସମୟରେ ହେକ୍ଟର ପ୍ରତି ଏଫ.ୱାଇ.ଏମ୍ 25 ଟନ୍ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ । ଧାରଗୁଡ଼ିକର ଗୋଟିଏ ପାର୍ଶ୍ୱରେ ହେକ୍ଟର ପ୍ରତି ୨୦ କିଲୋଗ୍ରାମର ନାଇଟ୍ରୋଜେନ୍ ଏବଂ<br>125 କିଲୋଗ୍ରାମର ଫସଫରସ ପ୍ରୟୋଗ କରାଯିବା ଭଟିତ ।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 9                 | ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ   | ବୁଶିବା ପରେ ତୁରନ୍ତ, ତୃଟୀୟ ଦିନ ଏବଂ ତା'ପରେ ସସ୍ତାହରେ ଥରେ।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 10                | ଘାସ ବାଛିବା/ଆନ୍ତଃ-ଚାଷ   | ବୁଣିବାର 20-25 ଦିନ ଏବଂ 40-45 ଦିନ ପରେ।  ପ୍ରତ୍ୟେକ ଥର ଘାସ କାଟିବା ପରେ ଫସଲ ଚଳଭାଗରେ ମାଟି ଚଢ଼ାଇ ଦେବା ଉଚିତ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 11                | ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 12                | ରୋଗ ଓ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟକ୍ତଶ   | ଥିସ୍ପ / ଏଫବ୍ସ: ଫ୍ଲୋଜିକାମିଡ୍ 50% ଡବ୍ଲୁୟଜି (WG) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କିମ୍ବା ଫ୍ଲୁକେଷିଆମାଇଡ୍ 8.33% + ଡେଲ୍ମମେଥିବ୍ 5.56% ଡବ୍ଲୁୟ/ଡବ୍ଲୁୟ (w/w) ଏସସି (SC) (0.5 ମିଲ ଲିଟର) ଧଳାମାଞ୍ଜ ଉଟିଡ (SC) (0.5 ମିଲ ଲିଟର) ଧଳାମାଞ୍ଜ ଇମିଡାକ୍ଲେପ୍ରିଡ୍ 30.5% ଏସସି (SC) (0.5 ମିଲ/ଲିଟର) ପଡ୍ ବୋରୋର: ଏମାମେକ୍ଲିକ୍ ବେଞ୍ଜୋଏଡ୍ 5% ଏସଜି (SC)(0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କିମ୍ବା କ୍ଲୋରାଣ୍ଟ୍ରାଟିଲିପ୍ରୋଲ୍ 18.5% ଡବ୍ଲୁୟ/ଡବ୍ଲୁୟ (w/w) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ମୋଜାଇକ୍: ପ୍ରଜାବିତ ଗଛଗୁଡ଼ିକୁ ବାହାର କରିବିଅନ୍ତୁ ଏବଂ ଭେକ୍ଟର ନିୟକ୍ଷଣ ପାଇଁ ଇମିଡାକ୍ଲୋପ୍ରିଡ୍ 30.5% ଏସସି (SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ସିଅନ କରନ୍ତୁ । ପାଉନ୍ତି ମିଲ୍ଡ୍ୟ: ଚେକ୍ଟୁକୋବାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରୀଲଫ୍ଲୋଡ୍ଲିଡ୍ରବ୍ୟୁ ବେ ୧୭% ଡବ୍ଲୁୟ/ଡବ୍ଲୁୟ ଏସସି (SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ସିଅନ କରନ୍ତୁ । ପାଉନ୍ତି ମିଲ୍ଡ୍ୟ: ଚେକ୍ଟୁକୋବାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରୀଲଫ୍ଲୋଡ୍ଲିଡ୍ରବ୍ୟୁ ବେକ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲୁୟ ଏସସି (w/w SC) (ପ୍ରତି ଲିଟରରେ 1.25 ମିଲି) ସିଅନ କରନ୍ତୁ । ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟକ୍ଷଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂତନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ । |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 13                | ଅମଳ  | 60-75 ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ଫଳଗୁଡ଼ିକ ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଯିବ ।  ଫସଲ କାଟିବା ପାଇଁ ଫଳଗୁଡ଼ିକ ମଜବୁତ ଏବଂ କୋମଳ ହେବା ଉଚିତ, ଏବଂ ପ୍ରତି 2 ରୁ 4 ଦିନରେ<br>ଥରେ ଅମଳ କରନ୍ତ । ଓଦା ଫଳଗୁଡ଼ିକୁ ଅମଳ କରନ୍ତ ନାହିଁ ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 14                | ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଅମଳ/ଏକର  | ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ୨୦ ରୁ 110 ଦିନରେ ସବୁଜ ଫଳ 12-15 ଟନ୍/ହେକ୍ଟର।  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 15                | ସଂରକ୍ଷଣ  | ଶିମ୍ଭ ଚାଜା ଭାବରେ ବ୍ୟବହାର କରିବା ପାଇଁ ବହୁତ ଶୀଘ୍ର ନଷ୍ଟ ହୋଇଯାଏ। ଅମଳ ପରେ ଶୀତଳୀକରଣ କଲେ ଏହାର ଆତ୍ମ ଜୀବନ 7-୫ ଦିନ ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ବୃଦ୍ଧି<br>ପାଇପାରେ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 16                | କରନ୍ତୁ ନାହିଁ   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 17                | କରନ୍ତୁ   | <br>   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ଟିପ୍ସଣୀ           | -  | ।ଟେ । ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରତୁ।   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ସତର୍କତା           | ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ହାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ୟାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଭଛି। ନିଷ୍ଟିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ<br>ଭଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଭଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତ। |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |





#### புஷ் பீன்ஸ் பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள் கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த புஷ் பீன்ஸ் விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளிர்கள். உயர் தர புஷ் பீன்ஸ் விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகதல் தரும் கலப்பு தாவரங்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவின் தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் புஷ் பீன்ஸ் விதைகள் உயிரி சார் உயிரி சாரா தழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.

. நிகச் சிறந்த மகதலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரை லலிதா 100-110 நாட்கள் ாரீப் ஆம் ாபி ஆம் சந்த காலம் ஆம் ஸ்லியாக ர்வெல் ஓல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி ε முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள் செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு பொருந்துகின்ற பரப்பளவு/விவசாய-காலநிலை இந்தியாவில், புஷ் பீன்ஸ்கள் ஆண்டு முழுவதும் வளர்கின்றன. ஆனால், மிதமான வெப்பநிலையில் அவை நன்றாக வளர்கின்றன. எனவே, பசூதியைப் பொறுத்து பருவமழை காலம் (ஜூலை.ஆகஸ்ட்), குளிர்காலம் (அக்டோபர்-நவம்பர்), மற்றும் முன் கோடை காலத்தில் (பிப்ரவரி-மார்ச்) விதைக்கலாம். மண்டலம் நிலம் / மண் .5-6.0 pH கொண்ட நீர் தேங்காத பசளை மண் தேவைப்படுகிறது. சாதகமான வெப்பநிலை 15-24°C. லலை பகுதிகள்: பிப்ரவரி-மார்ச், சமவெளிகள்: அக்டோபர்-நவம்பர் புருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம் விதை வீதம்: மலை பகுதிகளில் ஹெக்டேருக்கு 80 கிலோ மற்றும் சமவெளிகளில் ஹெக்டேருக்கு 50 கிலோவும் தேவைப்படுகிறது விதை விகிதம். விதைத்தல் நாற்று நடும் முறை லலை பகுதிகள்: மண்ணை ஆழமாகத் தோண்டுங்கள் மற்றும் எப்ஒய்எம்-யை போடுங்கள் மற்றும் சௌகரியமான அளவுகளில் படுக்கைகளை பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான யாரிப்பு : மவெளிகள்: இரண்டு உழதலுக்குப் பின், மணல் மேடுகள் மற்றும் பள்ளங்களை அமைத்திடுங்கள் ணல் மேட்டு பகுதிகளில், விதைகளை (ஒரு மேடுக்கு 2 விதைகள்) வரிசைகளாகவோ அல்லது 30 x 15 செமீ இடைவெளியில் படுக்கைகளாகவோ -Fu வெளி பகுதிகளில், 45 x 30 செமீ இடைவெளி விட்டு மேடுகளின் பக்கங்களில் விதைகளை (ஒரு மேடுக்கு 2 விதைகள்) விதைத்திடுங்கள் ஞ்சை நோய்களைக் கட்டுப்படுத்த, விதைப்பதற்கு 24 மணி நேரங்களுக்கு முன் விதைகளை டிரைசோடெர்மா (Trichoderma) உடன் ஒரு கிலோ விதைக்கு 4 விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு lrnrம் எனும் வீதத்தில் கலக்குங்கள் கடைசி உழுதலில், ஹெக்டேருக்கு 25 டன்கள் என்று தொழு உரம் (FYM)-யைப் போடுங்கள். மேடுகளின் ஒரு பக்கத்தில், ஹெக்டேருக்கு N 90 கிலோவும் ஹ்றும் P 125 கிலோவும் போட வேண்டும். ாருக்கள் மற்றும் உரங்கள் பாசன அட்டவணை விதைத்த உடனே, மூன்றாம் நாள் மற்றும் ஒரு வாரம் கழித்து மேற்கண்டவற்றை செய்ய வேண்டும். களை நீக்கம்/ ஊடு பயிரிடுதல் விதைத்து 20-25 நாட்கள் மற்றும் 40-45 நாட்கள் கழித்து . ஒவ்வொரு களை நீக்கத்திற்கு பின்னும் பயிரைச் சுற்றி மண்ணைக் குவித்திட வேண்டும். ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்துப 11 ு தெளிப்புகள் w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) வெள்ளை ஈ. இமிடாக்ளோப்ரிட் 30.5%, SC (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) காப் துளைப்பான்: எமாமெக்டின் பென்சோயேட் 5% எஸ்ஜி (SG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) அல்லது குளோரான்ட்ரானிலிப்ரோல் 18.5% w/w (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) lunாசைக் நோய்: பாதிக்கப்பட்ட தாவரங்களை அகற்றுங்கள் மற்றும் வெக்டாரைக் கட்டுப்படுத்த இமிடாக்ளோப்ரிட் 30.5% SC (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு 12 ஆந்த்ராக்னோஸ் நோய்: பாதிக்கப்பட்ட தாவரங்கள் மற்றும் காய்களை அகற்றுங்கள் மற்றும் டெபுகோனசோல் 38.39% ww எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 1.25 மிலி) தெளியுங்கள். 0-70 நாட்களில் காய்கள் அறுவடைக்குத் தயாராகிவிடும். அறுவடை செய்ய, காய்கள் உறுதியாகவும் மென்மையாகவும் இருக்க வேண்டும். மேலும், அறுவடை 13 ்வவொரு 2 முதல் 4 நாட்களுக்கு ஒருமுறை அறுவடை செய்யுங்கள். ஈர காய்களை அறுவடை செய்யாதீர்கள். சாககமான நிலைகளில். 90 (மகல் 110 நாட்களில் 12 - 15 டன் பச்சை காய்களைப் பொலாம் ஒரு ஏக்கருக்கு கிடைக்கக்கூடிய மகதல் திய பீன்ஸ்கள் எளிதில் அழுகும் தன்மை கொண்டவை. அறுவடைக்குப் பின், பீன்ஸை குளிர்சாதனப் பெட்டியில் வைப்பது அதன் அறை வாழ்நாளை 7-8 15 சேமிப்பகம் . ாட்கள் அதிகரிக்கலாம். செய்யக்கூடாகவை செய்ய டவேண்டியலை ண்ட தவேல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு. உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளுர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்

முன்னெச்சரிக் கை நடவடிக்கைகள் நடவடிக்கைகள்





# ਬੁਸ਼ ਬੀਨਜ਼ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਬੁਸ਼ ਬੀਨਜ਼ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਨ ਚੁਣੀ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੁਸ਼ ਬੀਨਜ਼ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ -ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਥ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੁਸ਼ ਬੀਨ ਦੇ ਬੀਜ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਅਜੈਵਿਕ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਚੰਗੀ ਸ਼ਕਤੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ , ਇਸ ਲਈ ਅਸੀ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

| ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਬੁਸ਼<br>ਬੀਨਜ਼ | ਕੁਸੁਮਾ' ਲਲਿਤਾ            |                    |                             |                           |   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
|------------------------|--------------------------|--------------------|-----------------------------|---------------------------|---|--|---|---|--|--|--|--|--|--|--|--|
| ਮਿਆਦ                   | 100-110 ਦਿਨ              |                    |                             |                           |   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ਖ਼ਰੀਫ                  | ਹਾਂ                      |                    |                             |                           |   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ਰਬੀ                    | ਹਾਂ<br>ਹਾਂ               |                    |                             |                           |   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ਸਪ੍ਰਿੰਗ                | L                        | L                  |                             |                           |   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ         | ਨਹਿਰ/ਬੋਰਵੈੱਲ             |                    |                             | faran ma                  | aad firmiia   | <del>ਹਿਨ</del> ਜਿ  | ਧਧ ਤਾ ਤਾ  | רוד אר€ זור   | ॉन्स भेप   | v <del>2</del> vmm=                                      | r) av an   | <br>ਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।  |  |  |  |  |
| <del>-2-2</del>        | ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅ             | rfavrru            |                             | 1994. a                   | ਰਕ ।ਪਆਨ<br>ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ  |  |   |   | 443. 44  | л <del>е</del> м·ч·в                                     | 3 €9-€   | न रा मबसा रा   |  |  |  |  |
| ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.             | 606/4.0H/                | חיייפוו            |                             |                           | члч∙н с   | स्वरा पुञ  | E92   E0  | નુદ   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 1                      | ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵ<br>ਅਨੁਕੂਲਤਾ | ਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅ        | ਮਤੇ ਸਥਾਨ ਦੰ                 | t                         | ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਝਾੜੀਆਂ ਦੇ ਬੀਜ ਸਾਲ ਭਰ ਉਗਾਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਪਰ ਇਹ ਚੰਗੀ ਮੈਂਸਮੀ ਸਥਿਤੀਆਂ ਵਿੱਚ ਵਧਦੇ-ਫੁੱਲਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਇਹਨਾਂ ਨੂੰ ਖੇਤਰ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ<br>ਮਾਨਸੂਨ (ਜੁਲਾਈ-ਅਗਸਤ), ਸਰਦੀਆਂ (ਅਕਤੂਬਰ-ਨਵੰਬਰ), ਅਤੇ ਗਰਮੀਆਂ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ (ਫਰਵਰੀ-ਮਾਰਚ) ਦੌਰਾਨ ਬੀਜਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2                      | ਜ਼ਮੀਨ / ਮਿੱਟੀ            |                    |                             |                           |   | 5.5-6.0 pH ਵਾਲੀ ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਦੇਮਟ ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਬਿਹਤਰੀਨ ਤਾਪਮਾਨ 15-24°C ਹੈ।                               |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 3                      | ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ <sub>/</sub> | /ਲਗਾਉਣ ਦ           | ਾ ਸਮਾਂ                      |                           | ਪਹਾੜੀਆਂ: ਹ  | ਫ਼ਰਵਰੀ-ਮਾਰ   | ਚ, ਮੈਦਾਨੀ:  | ਅਕਤੂਬਰ-ਟ  | ਨਵੰਬਰ<br>  |  |  |  |  |  |  |  |
| 4                      | ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿ            | ਬਜਾਈ/ਲਾਉ           | ੇਣ ਦਾ ਤਰੀਕ                  | ŢΙ                        | ਬੀਜ ਦੀ ਮਾ   | ਬੀਜ ਦੀ ਮਾਤਰਾ: ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਲਈ ਲਗਭਗ 80 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟਰ ਅਤੇ ਮੈਦਾਨੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਲਈ 50 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟਰ ਬੀਜ ਦੀ ਲੋੜ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 5                      | ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਾ          | ਆਰੀ ਅਤੇ ਇ          | <b>ਜਾ</b> ਈ                 |                           | ਪਹਾੜੀਆਂ: ਮਿੱਟੀ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਪੁੱਟ ਕੇ ਉਸ ਵਿੱਚ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਪਾਓ ਅਤੇ ਸਹੀ ਆਕਾਰ ਦੀਆਂ ਪਹਾੜੀਆਂ ਬਣਾਓ।<br>ਮੈਦਾਨ: ਦੋ ਵਾਰ ਵਾਹੁਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ, ਵੱਟਾਂ ਅਤੇ ਖੱਡਾਂ ਬਣਾਓ।   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 6                      | ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ            | ਰ ਦੂਰੀ             |                             |                           | ਬੀਜਾਂ ਨੂੰ ਪਹਾੜੀਆਂ, ਕਤਾਰਾਂ (2 ਬੀਜ/ਪਹਾੜੀ) ਜਾਂ ਕਿਆਰੀਆਂ ਵਿੱਚ 30 x 15 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਦੂਰੀ 'ਤੇ ਬੀਜੇ।<br>ਮੈਦਾਨੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ, 45 x 30 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਦੀ ਦੂਰੀ 'ਤੇ ਵੱਟਾਂ ਦੇ ਕਿਨਾਰਿਆਂ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਬੀਜ (2 ਬੀਜ/ਪਹਾੜੀ) ਬੀਜੇ।                                 |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 7                      | ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿ            | ਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ         | ਉਪਚਾਰ                       |                           | ਫੰਗਲ ਰੋਗਾਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 24 ਘੰਟੇ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਟ੍ਰਾਈਕੋਡਰਮਾ 4 ਗ੍ਰਾਮ/ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਬੀਜ ਨਾਲ ਉਪਚਾਰ ਕਰੋ।  |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 8                      | ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸ             | ਾਇਣਕ ਖਾਦ           |                             |                           | ਆਖਰੀ ਵਾਹੀ ਵੇਲੇ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ 25 ਟਨ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਪਾਓ। ਵੱਟਾਂ ਦੇ ਇੱਕ ਪਾਸੇ 90 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਨਾਈਟ੍ਰੇਜਨ ਅਤੇ 125 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਹੈਕਟੇਅਰ ਫਾਸਫੋਰਸ ਪਾਓ।   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 9                      | ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮ             | ਾਂ-ਸਾਰਣੀ           |                             |                           | ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਤੁਰੰਤ ਬਾਅਦ, ਤੀਜੇ ਦਿਨ ਅਤੇ ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਹਫ਼ਤੇ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਵਾਰ।  |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 10                     | ਨਦੀਨਾਂ ਦੀ ਕਟਾ            | ਾਈ ਅਤੇ ਫ਼ਸ         | ਲਾਂ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ                |                           | ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨ ਅਤੇ 40-45 ਦਿਨ ਬਾਅਦ। ਹਰੇਕ ਗੋਡੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਪਾਓ।   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 11                     | ਪੈਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/1          | ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੁਨ        | ਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿ                | ੜਕਾਅ                      |   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 12                     | ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਿ            | ਨਿਯੰਤਰਣ            |                             |                           | ਚਿੱਟੀ ਮੱਖੀ:<br>ਪੰਡ ਬੋਰਰ:<br>ਮੋਜ਼ੇਕ: ਪ੍ਰਭਾ<br>ਪਾਊਡਰੀ ਫ਼<br>ਐੱਥ੍ਰੈਕਨੇਜ਼: ਪ  | ਇਮੀਡਾਕਲੋਂ<br>ਐਮਾਮੇਕਟਿਨ<br>ਵਿਤ ਬੂਟਿਆਂ<br>ਫੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੋਨ<br>ਮ੍ਰਭਾਵਿਤ ਬੂਨਿ  | ਪ੍ਰੇਡ 30.5%<br>ਬੈਜੋਏਟ 59<br>ਨੂੰ ਹਟਾਓ ਅ<br>ਤਾਜ਼ੋਲ 50%<br>ਟੁਆਂ ਅਤੇ ਫਰ | SC (0.5 ਿ<br>% SG (0.5<br>ਮਤੇ ਵੈਕਟਰ ਹੁੰ<br>+ ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਹ<br>ਲੀਆਂ ਨੂੰ ਕੱਢੋ | ਮ.ਲੀ./ਲੀਟਰ<br>ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ<br>ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕ<br>ਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ<br>ਅਤੇ ਟੈਬੂਕੋਨ | ਰ)<br>n ਜਾਂ ਕਲੋਰੈਂਟ<br>ਰਨ ਲਈ ਇ<br>25% WG<br>ਨਾਜ਼ੋਲ 38.39 | ੍ਰਾਨਿਲੀਪ੍ਰੋਲ 1<br>ਮੀਡਾਕਲੋਪ੍ਰਿਡ<br>(0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰ<br>'% w/w S | 8.33% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56% % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ)<br>18.5% w/w (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ)<br>ਡ 30.5% SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੇ।<br>ਸੂਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ)<br>IC (1.25 ਮਿ.ਲੀ. ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੇ।<br>ਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। |  |  |  |  |
| 13                     | ਵਾਢੀ                     |                    |                             |                           |   |  |   | ਤਿਆਰ ਹੋ ਜ<br>ਟਾਈ ਨਾ ਕਰੋ   |  | ਫਲੀਆਂ ਕਟਾ  | ਈ ਲਈ ਸਖ਼ਤ  | ਤ ਅਤੇ ਨਰਮ ਹੋਈਆਂ ਚਾਹੀਦੀਆਂ ਹਨ, ਅਤੇ ਹਰ 2 ਤੋਂ 4 ਦਿਨਾਂ ਵਿੱਚ ਇੱਕ ਵਾਰ   |  |  |  |  |
| 14                     | ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ             | ਤ/ਏਕੜ              |                             |                           | ਆਦਰਸ਼ ਹਾ  | ਲਤਾਂ ਵਿੱਚ, ਫ   | ਹਰੀ ਫਲੀਆਂ   | ਦੀ ਪੈਦਾਵਾਰ  | 90-110 €   | ਾਨਾਂ ਵਿੱਚ 12-  | -15 ਟਨ/ ਹੈਂਕ   | ਕਟੇਅਰ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।  |  |  |  |  |
| 15                     | ਸਟੋਰੇਜ                   |                    |                             |                           | ਤਾਜ਼ੀਆਂ ਫਲ  | ਗੇਆਂ ਜਲਦੀ<br>ਹਵਾਲੇ ਜਲਦੀ  | ਖਰਾਬ ਹੋ ਜ   | ਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।  | ਕਟਾਈ ਤੋਂ ਬ   | ਅਦ ਫਰਿੱਜ   | ਵਿੱਚ ਰੱਖਣ ਹ  | ਨਾਲ ਸ਼ੈਲਫ ਲਾਈਫ 7-8 ਦਿਨਾਂ ਤੱਕ ਵਧ ਸਕਦੀ ਹੈ।   |  |  |  |  |
| 16                     | ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ                |                    |                             |                           |   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 17                     | ਕੀ ਕਰੋ                   |                    |                             |                           |   |  |   |   |  |  |  |  |  |  |  |  |
| ਨੇਟ                    | ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ               | ਸਿਰਫ਼ ਆਮ           | ਜਾਣਕਾਰੀ ਲ                   | ਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ                | ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਹ  | ਲਈ ਖਾਸ ਸਿ  | ਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ   | , ਕਿਰਪਾ ਕਰ  | ਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸ   | ਥਾਨਕ ਰਾਜ   | ਦ ਖੇਤੀਬਾੜੰ   | ੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।   |  |  |  |  |
| ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ              | ਕੁਆ <u>ਕਿ</u> ਟੀ ਦੀਆਂ    | ਹੁੰ ਮਾਦਾਂ ਅਤੇ<br>- | , ਵਧ ਸਤ<br><u>ਕੀਟਨਾਧਕਾਂ</u> | चे द पुडार<br>ची टचरें बी | ज जाने। जी  | ਹ ਮਾਦ ਅਤੇ<br>ਹਾਮਾਦ ਅਤੇ   | , ਜਨ ਚਾਲ<br>ਕੀਟਨਾਧਕ   | ਹ ਸਥਾਹਿਤ<br>ਹਿਸਮੀਤ  | - ਨਕ ਕਤੀਵ<br>ਦੇ ਦਿੱਸ਼ਾਂ ਨੂੰ 1  | - ਫ਼ਾ-ਸਕਿਯਾ<br>ਤੰਕਾਲ ਕੇ ਤੱਖੋ                             | 1  | 7-100 ct 100 c test the ct led visitor ac c is those our   |  |  |  |  |